भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4467
गुरुवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

छोटी उड़ानों और विमान के लिए बोली प्रक्रिया

4467. डॉ. आलोक कुमार सुमनः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में प्रस्तावित विमानपत्तनों और हवाई क्षेत्र पर छोटी उड़ानें/विमान चलाने के लिए बोली प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रस्तावित नए विमानपत्तनों/हवाई क्षेत्रों के लिए निजी प्रचालकों को आमंत्रित करने हेतु बोली लगाने के कितने दौर आयोजित किए गए तथा उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा छोटी उड़ानों/विमानों को चलाने के लिए सबेया हवाई क्षेत्र हेतु बोली प्रक्रिया में निजी प्रचालकों को शामिल करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) उड़ान योजना में शामिल किए जाने के पश्चात् चालू हो चुके और बंद हो गए विमानपत्तनों की संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) – उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) मांग-आधारित एक सतत योजना है, जिसके अंतर्गत अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के दौर आयोजित किए जाते हैं। विशेष मार्गों पर मांग के अपने आकलन के आधार पर, इच्छुक एयरलाइनें 'उड़ान योजना' के तहत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। एयरलाइनों का चयन पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों/हवाईपट्टियों का पुनरुद्धार/उन्नयन वैध बोली प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें चिह्नित करके और एसएओ (चयनित एयरलाइन परिचालक) को अवार्ड किए जाने पर किया जाता है। अब तक बोली प्रक्रिया के 5 दौरों के अंतर्गत 13 बोली चक्र आयोजित किए जा चुके हैं।

सबेया (हथुआ) हवाईपट्टी उड़ान दस्तावेज़ में असेवित हवाईअड्डों की सूची में शामिल है। तथापि, सबेया हवाईअड्डे को जोड़ने वाले मार्गों के लिए आरसीएस उड़ानें परिचालित करने हेतु किसी भी एयरलाइन से कोई बोली प्राप्त नहीं हुई है।

इस योजना के अंतर्गत अब तक 13 हेलीपोर्टों और 2 वॉटर एयरोड्रोमों सहित 88 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को प्रचालित किया जा चुका है। वर्तमान में, उड़ान योजना के अंतर्गत विकसित 11 हवाईअड्डे गैर-प्रचालनरत हैं।

******